
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
12th GEOGRAPHY
ARJUN BATCH
मानव भूगोल
अंतर्क्षेत्रीय व्यापार
अध्याय-8 | भाग-02
17 सितंबर 2026 || 05:00 PM

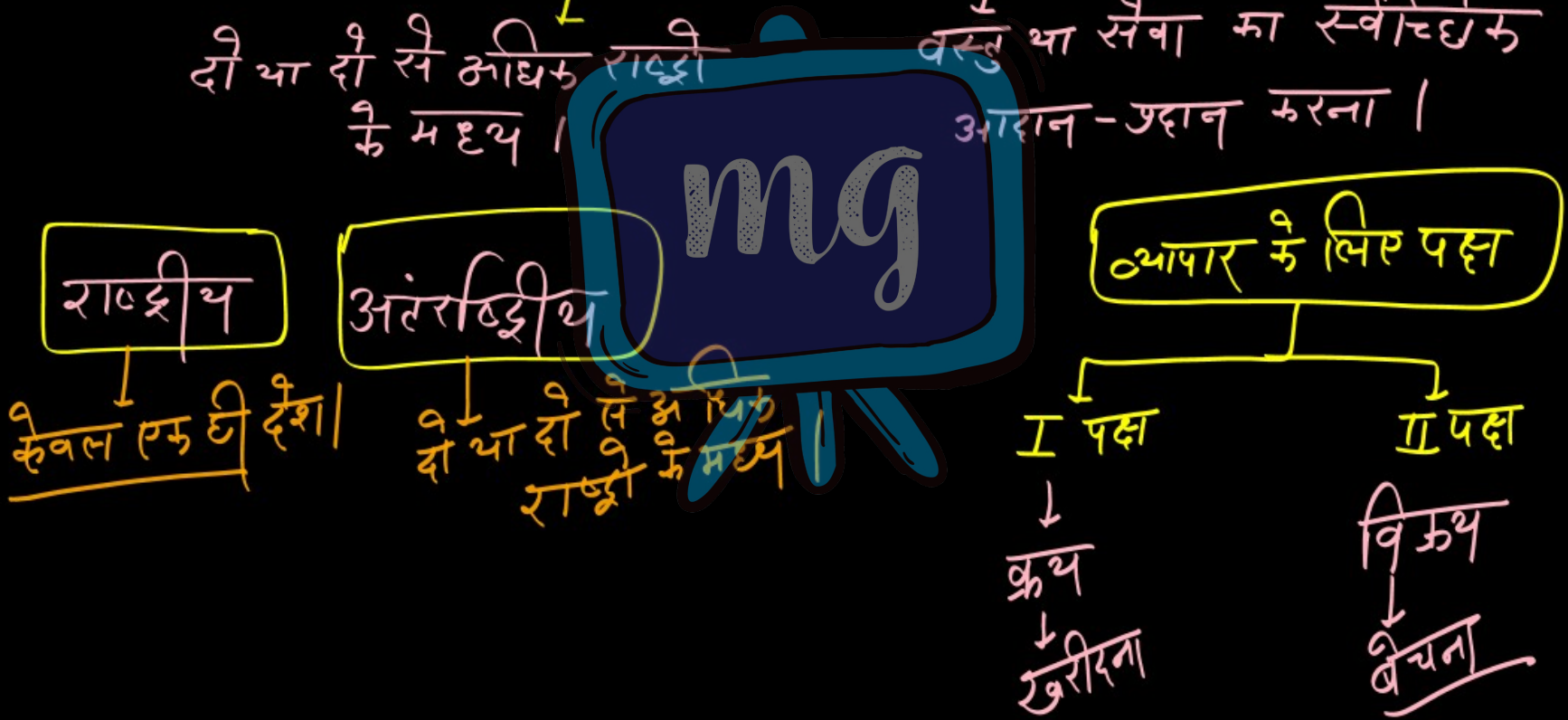
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

दो या दो से अधिक राष्ट्रों के मध्य।

वस्तु या सेवा का स्वैच्छिक आदान-प्रदान करना।



राष्ट्रीय

केवल एक ही देश।

अंतर्राष्ट्रीय

दो या दो से अधिक राष्ट्रों के मध्य।

व्यापार के लिए पक्ष

- I पक्ष → क्रय → खरीदना
- II पक्ष → विक्रय → बेचना

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

→ दो या दो से अधिक देशों के मध्य होने वाले व्यापार को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कहते हैं ..

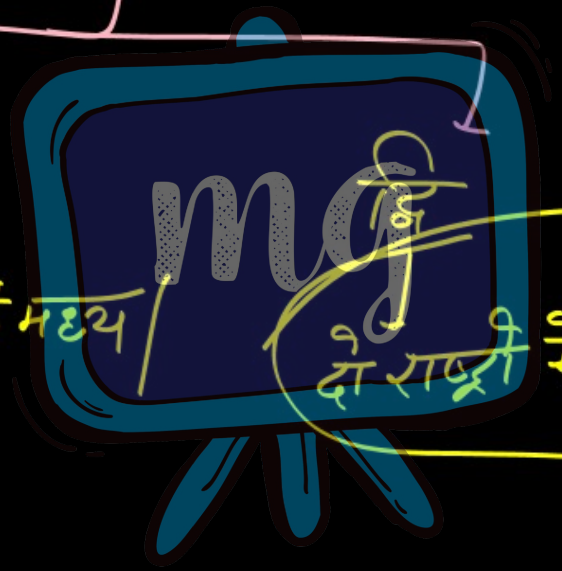


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

- बहुपार्श्विक
  - दो से अधिक राष्ट्रों के मध्य
- द्विपक्षीय
  - दो राष्ट्रों के मध्य



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

1 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार

(i) राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता : भौतिक संरचना जैसे कि भूविज्ञान, उच्चावच, मृदा व जलवायु में भिन्नता के कारण विश्व के राष्ट्रीय संसाधन असमान रूप से वितरित हैं।

(क) भौगोलिक संरचना

(ख) खनिज संसाधन

(ग) जलवायु

(ii) **जनसंख्या कारक :**

विभिन्न देशों में जनसंख्या के आकार, वितरण तथा उसकी विविधता व्यापार की गई वस्तुओं के प्रकार और मात्रा को प्रभावित करते हैं।

(क) **सांस्कृतिक कारक :** विशिष्ट संस्कृतियों में कला तथा हस्तशिल्प के विभिन्न रूप विकसित हुए हैं जिन्हें विश्व-भर में सराहा जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- उदाहरणस्वरूप चीन द्वारा उत्पादित उत्तम कोटि का पॉर्सलिन (चीनी मिट्टी का बर्तन) तथा ब्रोकेड (जरीदार या बूटेदार कपड़ा)।
- ईरान के कालीन प्रसिद्ध हैं, जबकि उत्तरी अफ्रीका का चमड़े का काम और इंडोनेशियाई बटिक (छींट वाला) वस्त्र बहुमूल्य हस्तशिल्प हैं।

पॉर्सलिन (चीनी मिट्टी का बर्तन)
ब्रोकेड (जरीदार/बूटेदार कपड़ा)

(ख) जनसंख्या का आकार : सघन बसाव वाले देशों में आंतरिक व्यापार अधिक है जबकि बाह्य व्यापार कम परिमाण वाला होता है, क्योंकि कृषीय और औद्योगिक उत्पादों का अधिकांश भाग स्थानीय बाजारों में ही खप जाता है। जनसंख्या का जीवन स्तर बेहतर गुणवत्ता वाले आयातित उत्पादों की माँग को निर्धारित करता है क्योंकि निम्न जीवन स्तर के साथ केवल कुछ लोग ही महँगी आयातित वस्तुएँ खरीद पाने में समर्थ होते हैं।

किसी देश जनसंख्या अधिक
भारत
80% खपत
खपत +

किसी देश में जनसंख्या कम
80%
रूस

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(iii) आर्थिक विकास की प्रावस्था

विनिर्माण

कृषि की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण देशों में, विनिर्माण की वस्तुओं के लिए कृषि उत्पादों का विनिमय किया जाता है, जबकि औद्योगिक राष्ट्र मशीनरी और निर्मित उत्पादों का निर्यात करते हैं तथा खाद्यान्न तथा अन्य कच्चे पदार्थों का आयात करते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(iv) विदेशी निवेश की सीमा

विदेशी निवेश विकासशील देशों में व्यापार को बढ़ावा दे सकता है जिनके पास खनन, प्रवेधन द्वारा तेल-खनन, भारी अभियांत्रिकी, काठ कबाड़ तथा बागवानी कृषि के विकास के लिए आवश्यक पूँजी का अभाव है।

संसाधन की उपलब्धता
खनन प्रवेधन, तेल, अभियांत्रिकी
पूँजी का अभाव

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

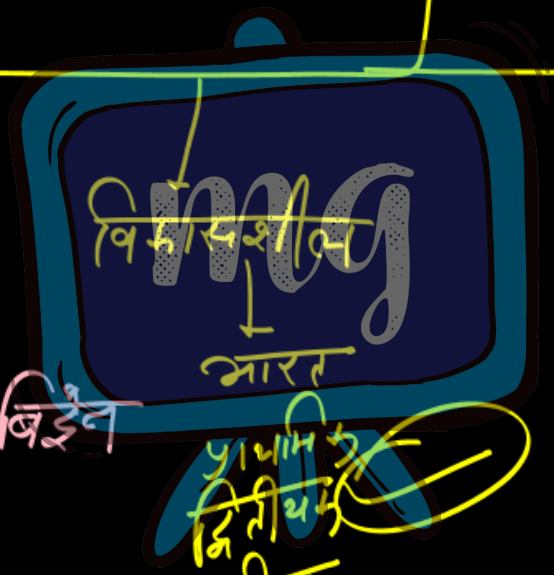
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विकासशील देशों में ऐसे पूँजी प्रधान उद्योगों के विकास द्वारा औद्योगिक राष्ट्र खाद्य पदार्थों, खनिजों का आयात सुनिश्चित करते हैं तथा अपने निर्मित उत्पादों के लिए बाज़ार निर्मित करते हैं। यह संपूर्ण चक्र देशों के बीच में व्यापार के परिमाण को आगे बढ़ाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विकास के आधार पर देश-



विकसित देश

↓

विकास हो चुका

∝ U.S.A, रूस, फ्रांस, ब्रिटेन

① प्राथमिक क्षेत्र
② द्वितीयक क्षेत्र
③ तृतीयक क्षेत्र

अविकसित देश।

↓

अपूर्ण विकास

① प्राथमिक
② द्वितीयक
③ तृतीयक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(v) परिवहन

पुराने समय में परिवहन के पर्याप्त और समुचित साधनों का अभाव स्थानीय क्षेत्रों में व्यापार को प्रतिबंधित करता था। केवल उच्च मूल्य वाली वस्तुओं, जैसे–रत्न, रेशम तथा मसाले का लंबी दूरियों तक व्यापार किया जाता था।

रेल, समुद्री तथा वायु परिवहन के विस्तार और प्रशीतन तथा परिरक्षण के बेहतर साधनों के साथ, व्यापार ने स्थानिक विस्तार का अनुभव किया है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के महत्त्वपूर्ण पक्ष



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

व्यापार का परिमाण

व्यापार की गई वस्तुओं का वास्तविक तौल परिमाण कहलाता है। हालाँकि व्यापारिक सेवाओं को तौल में नहीं मापा जा सकता। इसलिए व्यापार की गई वस्तुओं तथा सेवाओं के कुल मूल्य को व्यापार के परिमाण के रूप में जाना जाता है।

परिणाम ≠ परिमाण

माप-तौल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आयात → क्रय → खरीदना
निर्यात → विक्रय → बेचना।

व्यापार संयोजन

- पिछली शताब्दी में, देशों द्वारा आयातित तथा निर्यातित वस्तुओं और सेवाओं के प्रकार में परिवर्तन हुए हैं।
- पिछली शताब्दी के आरंभ में प्राथमिक उत्पादों का व्यापार प्रधान था।
- बाद में, विनिर्मित वस्तुओं ने प्रमुखता प्राप्त कर ली और वर्तमान समय में यद्यपि विश्व व्यापार का अधिकांश विनिर्माण क्षेत्र के

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

① प्राथमिक क्षेत्र → आखेट। कृषि। खनन।

② द्वितीयक क्षेत्र → निर्माण। विनिर्माण। उद्योग।

③ तृतीयक क्षेत्र → व्यापार, शिक्षा। परिवहन। संचार।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आधिपत्य में है, सेवा क्षेत्र जिसमें यात्रा, परिवहन तथा अन्य व्यावसायिक सेवाएँ सम्मिलित हैं।

- 2005 से 2015 तक विश्व व्यापारिक निर्यात में विनिर्मित सब से अधिक योगदान करते हैं।
- ईंधन और खनन उत्पाद तथा कृषि उत्पाद भी व्यापारिक निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

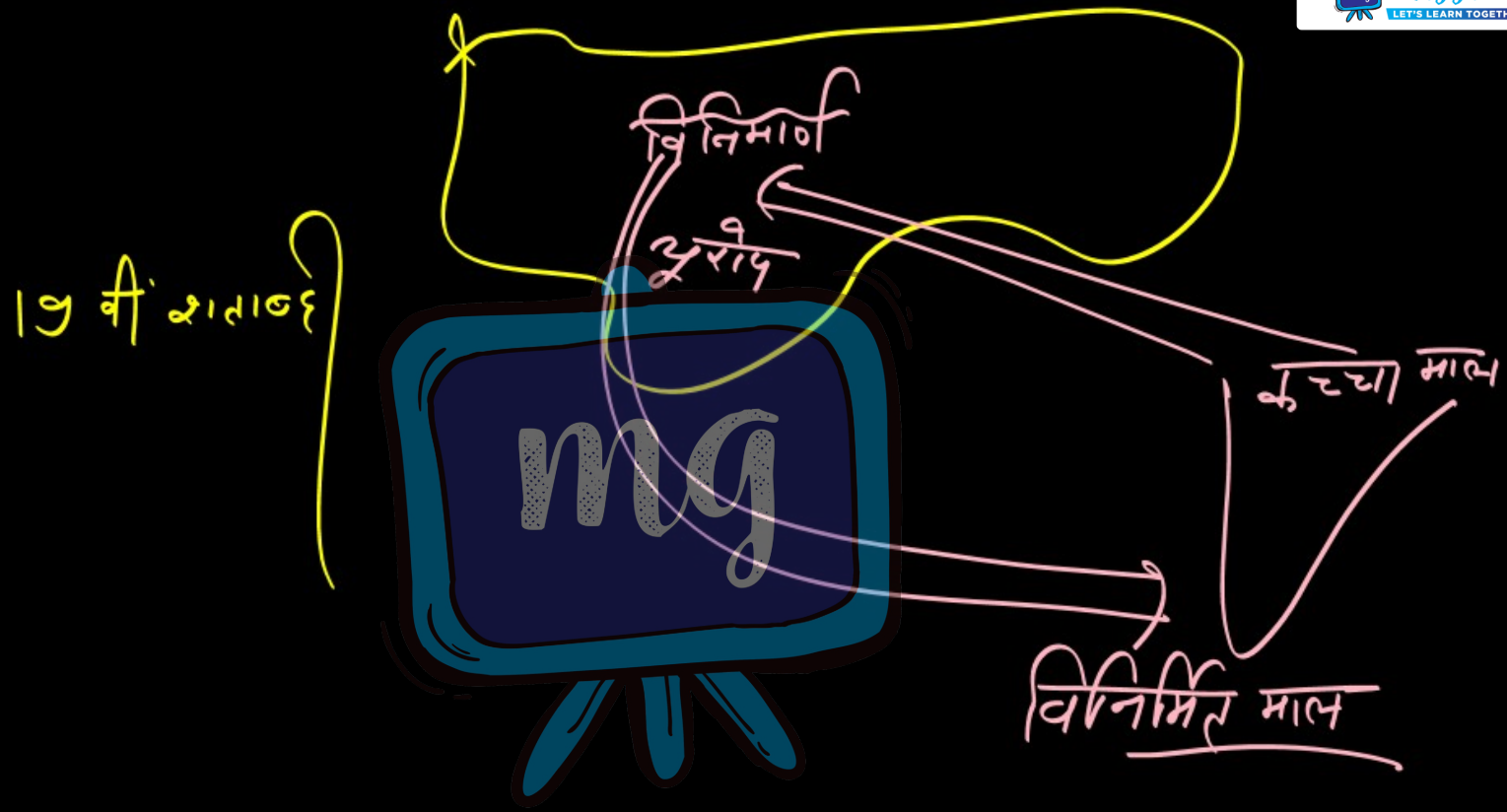
व्यापार की दिशा

व्यापार की दिशा

- ऐतिहासिक रूप से वर्तमान कालिक विकासशील देश मूल्यपरक वस्तुओं तथा शिल्प आदि का निर्यात किया करते थे जो यूरोपीय देशों को निर्यात की जाती थी।
  यूरोपीयन देशों को निर्यात।
- 19वीं शताब्दी के दौरान व्यापार की दिशा में प्रत्यावर्तन हुआ।
  19 वीं शताब्दी के व्यापार परिवर्तन
- यूरोपीय देशों ने विनिर्माण वस्तुओं को अपने उपनिवेशों से खाद्य पदार्थ तथा कच्चे माल के बदले, निर्यात करना शुरू कर दिया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका विश्व में बड़े व्यापारिक साझेदार के रूप में उभरे और विनिर्माण वस्तुओं के व्यापार में अग्रणी बने।
- उस समय जापान भी तीसरा महत्त्वपूर्ण व्यापारिक देश था।
- 20वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में विश्व व्यापार की पद्धति में तीव्र परिवर्तन हुए।

यूरोप + U.S.A
||
अधिक व्यापार
↓
बड़े व्यापारिक साझेदार

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यूरोप के उपनिवेश समाप्त हो गए जबकि भारत, चीन और अन्य विकाशील देशों ने विकसित देशों के साथ प्रतिस्पर्धा शुरू कर दी। व्यापारित वस्तुओं की प्रकृति भी बदल गई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

व्यापार संतुलन

व्यापार संतुलन, एक देश के द्वारा अन्य देशों को आयात एवं इसी प्रकार निर्यात की गई वस्तुओं एवं सेवाओं की मात्रा (परिमाण) का प्रलेखन करता है।

आयात = निर्यात
व्यापार सन्तुलन



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यदि आयात का मूल्य, देश के निर्यात मूल्य की अपेक्षा अधिक है तो देश का व्यापार संतुलन ऋणात्मक अथवा प्रतिकूल है।
- यदि निर्यात का मूल्य, आयात के मूल्य की तुलना में अधिक है तो देश का व्यापार संतुलन धनात्मक अथवा अनुकूल है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- एक ऋणात्मक संतुलन का अर्थ होगा कि देश वस्तुओं के क्रय पर उससे अधिक व्यय करता है जितना कि अपने सामानों के विक्रय से अर्जित करता है।
- यह अंतिम रूप में वित्तीय संचय की समाप्ति को अभिप्रेरित करता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विश्व व्यापार संगठन

- 1948 में विश्व को उच्च सीमा शुल्क और विभिन्न प्रकार की अन्य बाधाओं से मुक्त कराने हेतु कुछ देशों के द्वारा जनरल एग्रीमेंट ऑन ट्रेड एंड टैरिफ (GATT) का गठन किया गया।
- 1994 में सदस्य देशों के द्वारा राष्ट्रों के बीच मुक्त एवं निष्पक्ष व्यापार को बढ़ा प्रोन्नत करने के लिए एक स्थायी संस्था के

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निर्माण का निश्चय किया गया था तथा जनवरी 1995 से (GATT) को विश्व व्यापार संगठन (WTO) में रूपांतरित कर दिया गया।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- विश्व व्यापार संगठन का मुख्यालय जिनेवा (स्विटजरलैंड) में स्थित है।
- 2016 में 164 देश विश्व व्यापार संगठन के सदस्य थे।
- भारत विश्व व्यापार संगठन के संस्थापक सदस्य में से एक रहा है।
- विश्व व्यापार संगठन एकमात्र ऐसा अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो राष्ट्रों के मध्य वैश्विक नियमों का व्यवहार करता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यह विश्वव्यापी व्यापार तंत्र के लिए नियमों को नियत करता है और इसके सदस्य देशों के मध्य विवादों का निपटारा करता है।
- विश्व व्यापार संगठन दूरसंचार और बैंकिंग जैसी सेवाओं तथा अन्य विषयों जैसे बौद्धिक संपदा अधिकार के व्यापार को भी अपने कार्यों में सम्मिलित करता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- उन लोगों के द्वारा विश्व व्यापार संगठन की आलोचना एवं विरोध किया गया है जो मुक्त व्यापार और अर्थव्यवस्था के भूमंडलीकरण के प्रभावों से परेशान हैं।
- इस पर तर्क किया गया है कि मुक्त व्यापार आम लोगों के जीवन को अधिक संपन्न नहीं बनाता। धनी देशों को और अधिक धनी बनाकर यह वास्तव में गरीब और अमीर के बीच की खाई को बढ़ा रहा है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्रादेशिक व्यापार समूह

- प्रादेशिक व्यापार समूह व्यापार की मदों में भौगोलिक सामीप्य, समरूपता और पूरकता के साथ देशों के मध्य व्यापार को बढ़ाने एवं विकासशील देशों के व्यापार पर लगे प्रतिबंध को हटाने के उद्देश्य से अस्तित्व में आए हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- आज 120 प्रादेशिक व्यापार समूह विश्व के 52 प्रतिशत व्यापार का जनन करते हैं।
- ये प्रादेशिक समूह सदस्य राष्ट्रों में व्यापार शुल्क को हटा देते हैं तथा मुक्त व्यापार को बढ़ावा देते हैं लेकिन भविष्य में विभिन्न व्यापारिक समूहों के बीच मुक्त व्यापार का बने रहना कठिन होता जा रहा है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्रमुख प्रादेशिक व्यापार समूह

ASEAN (आसियान)

एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशंस

- मुख्यालय :- जकार्ता (इंडोनेशिया)
- उत्पत्ति :- अगस्त, 1967



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- **वस्तुएँ :-** कृषि उत्पाद, रबड़, ताड़ का तेल, चावल, नारियल, कॉफी, खनिज–ताँबा, कोयला, निकिल और टंगस्टन, ऊर्जा पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा सॉफ्टवेयर उत्पाद।
- **सहयोग के अन्य क्षेत्र :-** आर्थिक वृद्धि को त्वरित करना, सांस्कृतिक विकास, शांति और प्रादेशिक स्थायित्व।

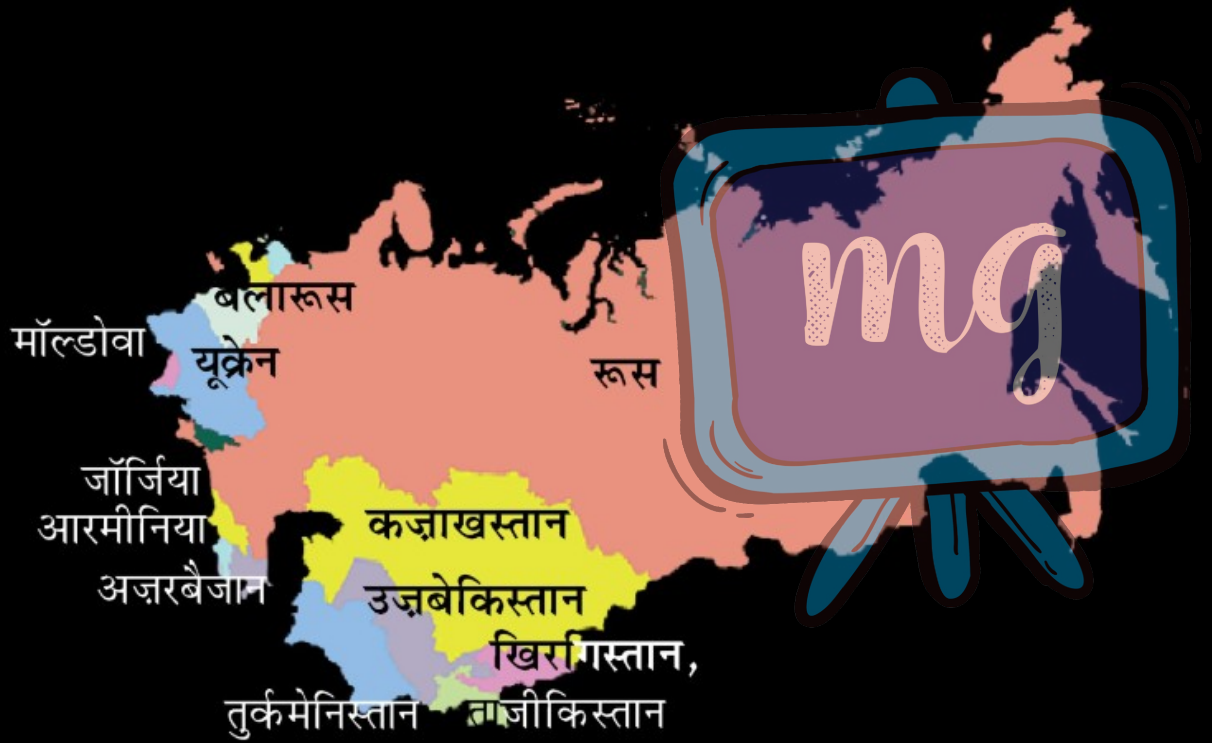
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

सी.आई.एस.

कॉमनवेल्थ ऑफ इंडिपेन्डेन्ट स्टेट्स

- मुख्यालय :- मिंसक (बेलारूस)
- वस्तुएँ :- अशोधित तेल, प्राकृतिक गैस, सोना, कपास, रेशे, एल्यूमिनियम।
- सहयोग के अन्य क्षेत्र :- अर्थव्यवस्था, प्रतिरक्षा और विदेश नीति के मामलों पर समन्वय एवं सहयोग


बेलारूस
मॉल्डोवा
यूक्रेन
रूस
जॉर्जिया
आरमीनिया
अज़रबैजान
कज़ाखस्तान
उज़बेकिस्तान
खिरगिस्तान,
तुर्कमेनिस्तान
ताजीकिस्तान

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इ.यू.

(यूरोपीय संघ)

- मुख्यालय :- ब्रुसेल्स (बेल्जियम)
- उत्पत्ति :- फरवरी 1992
- सदस्य राष्ट्र :- ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लाटविया, लिथुआनिया, लक्ज़मबर्ग, माल्टा, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वीडन, नीदरलैंड और यूनाइटेड किंगडम।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- **वस्तुएँ :-** कृषि उत्पाद, खनिज, रसायन, लकड़ी, कागज़, परिवहन की गाड़ियाँ, आप्टीकल उपकरण, घड़ियाँ, कलाकृतियाँ, पुरावस्त।
- **सहयोग के अन्य क्षेत्र :-** एकल मुद्रा के साथ एकल बाज़ार।

LAIA

लेटिन अमेरिकन इंटीग्रेशन एसोसिएशन

- मुख्यालय :- मॉण्टेविडिया (उरुग्वे)
- उत्पत्ति :- 1960



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

NAFTA

नार्थ अमेरिकन फ्री ट्रेड एसोसिएशन

- उत्पत्ति :- 1994
- सदस्य राष्ट्र :- संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको।
- वस्तुएँ :- कृषि उत्पाद, मोटर गाड़ियाँ, स्वचालित पुर्जे, कंप्यूटर, वस्त्र



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ओपेक

आर्गेनाइज़ेशन ऑफ़ पैट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज़

- मुख्यालय :- वियना (ऑस्ट्रिया)
- उत्पत्ति :- 1949
- सदस्य राष्ट्र :- अल्जीरिया, इंडोनेशिया, इरान, ईराक, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और वेनेजुएला।

- वस्तुएँ :- अशोधित खनिज तेल
- सहयोग के अन्य क्षेत्र :- खनिज तेल की नीतियों का समन्वय एवं एकीकरण करना



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

साफ्टा

साउथ एशियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

- उत्पत्ति :- जनवरी 2006
- सहयोग के अन्य क्षेत्र :- अंतर-प्रादेशिक व्यापार के करों का घटाना।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित मामले

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का होना राष्ट्रों के लिए पारस्परिक लाभदायक होता है।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार देशों के लिए हानिकारक हो सकता है यदि यह अन्य देशों पर निर्भरता, विकास के असमान स्तर, शोषण और युद्ध का कारण बनने वाली प्रतिद्वंद्विता की ओर उन्मुख है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- विश्वव्यापी व्यापार जीवन के अनेक पक्षों को प्रभावित करते हैं। यह सारे विश्व में पर्यावरण से लेकर लोगों के स्वास्थ्य एवं कल्याण इत्यादि सभी को प्रभावित कर सकता है।
- जैसे-जैसे देश अधिक व्यापार के लिए प्रतिस्पर्धी बनते जा रहे हैं, उत्पादन और प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग बढ़ता जा रहा है, और संसाधनों के नष्ट होने की दर उनके पुनर्भरण की दर से तीव्र होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- परिणामस्वरूप समुद्री जीवन भी तीव्रता से नष्ट हो रहा है, वन काटे जा रहे हैं और नदी बेसिन निजी पेय जल कंपनियों को बेचे जा रहे हैं।
- तेल, गैस, खनन, औषधि विज्ञान और कृषि व्यवसाय में संलग्न बहुराष्ट्रीय निगम और अधिक प्रदूषण उत्पन्न करते हुए हर कीमत पर अपने कार्यों को बढ़ाए रखती है–उनके कार्य करने की पद्धति सतत् पोषणीय विकास के मानकों का अनुसरण नहीं करती।